Deccan Chronicle 04-February-2021

TS rejects Centre's graft charges in Kaleshwaram

DC CORRESPONDENT
HYDERABAD, FEB. 3

The Fifteenth Finance Commission's remarks on the K. Chandrashekar Rao-led TRS government's flagship project, Kaleshwaram, in its report tabled in Parliament on February 1 has not gone down well with the state government.

The state government has found the commission's stand on Kaleshwaram to be "very strange". This is because members of the commission, who visited the Kaleshwaram project site on more than one occasion in the past, had heaped praises on the project, mostly between 2018 and 2020.

However, in its report, the Finance Commission "questioned the financial viability" of this project,

THE 15TH FINANCE Commission report pointed out that this project "invariably notches up a massive electricity bill", bringing to question the financial viability of the project, in the "absence of a guaranteed revenue stream".

being taken up at a cost of more than ₹80,000 crore.

The FC report pointed out that this project "invariably notches up a massive electricity bill", bringing to question the financial viability of the project, in the "absence of a guaranteed revenue stream".

It goes on to suggest to the state government that it "should try to generate adequate revenue" (like through user charges) to at least cover operations and maintenance cost of the project.

The report went on to argue that the state's "huge investments made in irrigation, have not yet resulted in commensurate returns" in terms of crop yield improvements.

These remarks are incongruent to past observations of the commission's members and more aligned to the criticism of opposition parties, including senior BJP leaders, who are accusing the TRS government of "wasting huge public money" on Kaleshwaram to "get kickbacks from contractors", instead of taking up this project for overall benefit of the state, or to empower and enrich the farmers.

■ Page 5: Panel members had praised KLIS project

Millennium Post 04-February-2021

Fresh snowfall in parts of Kashmir

OUR CORRESPONDENT

SRINAGAR: Most parts of Kashmir received fresh snowfall on Wednesday, resulting in significant improvement in the minimum temperature across the valley and providing huge relief to residents, officials said.

The snowfall began during the night and continued at many places when last reports came in, the officials said.

The snowfall affected the flight operations at Srinagar airport in the morning, causing some flight delays.

The flight operations were hampered due to the accumulation of snow on the runway and poor visibility due to the bad weather.

The MET Office said the famous ski-resort of Gulmarg, in north Kashmir, received about six inches of fresh snowfall, while Kupwara, also in the north, recorded about three inches.

Pedestrians walk during light snowfall in Srinagar, on Wednesday

Other places, including Srinagar, experienced very light snowfall, the officials said.

They said there are reports of fresh snowfall in many other areas in the higher reaches of Jammu and Kashmir.

The fresh snowfall, however, did not affect the movement of traffic on the Srinagar-Jammu National Highway.

An official of the traffic control room said the highway was through for one-way traffic from Srinagar towards Jammu.

The minimum temperature across the valley rose significantly on Tuesday night, providing huge relief to residents.

Srinagar recorded a low of minus 0.4 degrees Celsius last night over four degrees up from the previous night's minus 4.6 degrees Celsius.

Pahalgam tourist resort, which also serves as a base camp for the annual Amarnath yatra in south Kashmir, recorded a low of minus 3.9 degrees Celsius over five degrees down from the previous night's minus 9.3 degrees Celsius.

Millennium Post 04-February-2021

Portal on Gobardhan scheme launched

NEW DELHI: The Jal Shakti Ministry on Wednesday launched a unified portal on the 'Gobardhan' scheme, an initiative aimed at managing cattle and biodegradable waste and also help enhance farmers' income.

Under the new unified approach, all these programmes/schemes will be coordinated by the Department of Drinking Water and Sanitation under the Swachh Bharat Mission - Grameen (SBMG).

The key stakeholders --- Ministry of New and Renewable Energy (MNRE), Ministry of Petroleum and Natural Gas (MoPNG), Department of Animal Husbandry and Dairying, Department of Agriculture, Cooperation and Farmers Welfare, Department of Agricultural Research and Education (DARE), and Department of Rural Development --- are having various biogas programmes/policies/schemes.

The programmes are New National Biogas and Manure Management Programme (NNBOMP) of MNRE, Biofuel Policy and Sustainable Alternative towards Affordable Transportation (SATAT), cooperative schemes through the National Dairy Development Board (NDDB) of Animal Husbandry Department and various other similar schemes.

Under the new unified approach, all these programmes/schemes will be coordinated by the Department of Drinking Water and Sanitation under the Swachh Bharat Mission Grameen (SBMG).

AGENCIES

Hindustan 04-February-2021

गाजियाबाद में हर घर तक पानी पहुंचाया जाएगा

गाजियाबाद | दीपक सिरोही

पानी की बर्बादी और भूजल दोहन रोकने के लिए नगर निगम ने बड़े स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। योजना के अनुसार हर घर तक पानी पहुंचाया जाएगा। चरणबद्ध तरीके से शहर के हर घर में पानी के मीटर लगाए जाएंगे। इसके लिए उपभोक्ता से यूजर चार्ज भी लिए जाएंगे। पानी के मीटर लगाने का काम 2025 तक पूरा होगा।

मौजूदा समय में तीन लाख 63 हजार करदाता हैं। अनुमान है कि फ्री होल्ड में रहने वाली 35 फीसदी आबादी तक पाइप लाइन से पानी नहीं पहुंच रहा है। शहर में प्राधिकरण, आवास विकास और बिल्डर कॉलोनी बसा रहे हैं। पक्की कॉलोनियों के साथ-साथ कच्ची कॉलोनी भी बड़े स्तर पर विकसित की जा रही है। कच्ची कॉलानियों में लाखों की आबादी निवास कर रही है।

जर्जर पाइप लाइन से पानी की बर्बादी

नगर निगम प्रति दिन लोगों के लिए 325 एमएलडी पानी आपूर्ति के लिए छोड़ता है। जबकि आपूर्ति में छोड़े पानी में से 17 फीसदी पानी घरों तक पहुंच ही नही पाता है। यह पानी जर्जर पाइप लाइन की वजह से बर्बाद हो जाता है। पाइप लाइन ठीक कराकर पानी की बर्बादी को रोका जा सकता है।

Dainik Jagran 04-February-2021

बिजली की तरह पानी भी 24 घंटे होगा उपलब्ध : सत्येंद्र जैन

योजना ▶ कहा, तीन वर्ष में साफ कर दी जाएगी यमुना नदी

इतनी साफ हो जाएगी यमुना कि जहां बोलोगे, वहां गोता लगाकर दिखा दिया जाएगा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली के ऊर्जा मंत्री सत्येंद्र जैन ने पावर ओवरलोडिंग की समस्या के समाधान के लिए शाहपुर गढ़ी गांव स्थित 66/11 केवी सब स्टेशन नरेला ग्रिड का उद्घाटन किया। टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) की ओर से आयोजित उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए ऊर्जा मंत्री ने कहा कि इस ग्रिड से नरेला औद्योगिक क्षेत्र व आसपास के करीब आठ किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों को फायदा मिलेगा।

सत्येंद्र जैन ने कहा कि जैसे दिल्लीवासियों को 24 घंटे बिजली मिल रही है, वैसे ही आने वाले दिनों में राजधानी में 24 घंटे पानी देकर दिखाएंगे। इसके अलावा केजरीवाल सरकार तीन वर्ष में यमुना नदी को भी साफ करके दिखाएगी। उन्होंने दावा किया कि यमुना नदी इतनी साफ हो जाएगी कि जहां बोलोगे वहां गोता लगाकर दिखा दिया जाएगा।

शाहपुर गढ़ी गांव में 66/11 केवी पावर ग्रिड के उद्घाटन के दौरान टीपीडीडीएल के सीईओ गणेश श्रीनिवासन ऊर्जा मंत्री सत्येंद्र जैन (बाएं) को ग्रिड के बारे में जानकारी देते हुए। जागरण

जैन ने कहा कि यह स्मार्ट ग्रिड पूरी तरह से आटोमैटिक है। इसके रखरखाव में कोई खर्च नहीं आएगा। पर्यावरण सुरक्षा को देखते हुए इस ग्रिड में लिथियम बैटरी का इस्तेमाल किया गया है। इस ग्रिड से क्षेत्र में हो रहे रासायनिक प्रदूषण में भी कमी आएगी और भविष्य में विस्थापित किए जाने वाले 1000 रासायनिक उद्योगों को भी ऊर्जा की आपूर्ति पूरी हो सकेगी। कार्यक्रम में नरेला के विधायक शरद कुमार चौहान भी मौजूद थे। टीपीडीडीएल के सीईओ गणेश श्रीनिवासन ने कहा कि इस ग्रिड से नरेला औद्योगिक क्षेत्र को निर्बाध बिजली मिलेगी। इससे उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही दिल्ली इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड (डीएसआइआइडीसी), इंटीग्रेटेड फ्रेट कारिडोर, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, खामपुर केमिकल मार्केट (शाहपुर गढ़ी) जैसे आसपास के इलाकों के मौजूदा दो हजार से अधिक औद्योगिक इकाइयों को फायदा होगा।

Dainik Jagran 04-February-2021

बजट में विशेष आवंटन से खराब पड़ी सीवर प्रणाली में भी होगा सुधार

सुरेंद्र प्रसाद सिंह, नई दिल्ली

- व्यापक स्वच्छता के लिए अमृत शहरों में सीवरेज मैनेजमेंट पर होगा जोर
- ढाई करोड़ घरों को मिलेगा सीवर कनेक्शन, उद्योगों को भी होगा फायदा

शहरी क्षेत्रों में जीवन को सुगम बनाने के लिए घूमी केंद्र सरकार की नजर खराब सीवर प्रणाली को भी मजबूत करने पर गई है। जल जीवन मिशन योजना के तहत इसे लागू किया जाएगा। इसके पहले चरण में देश के 500 चुनिंदा शहरों में जरूरत वाले क्षेत्रों में नई सीवर लाइनों के साथ पुराने क्षेत्रों में सीवर प्रणाली को मजबूत किया जाएगा ताकि लोगों की परेशानी दूर हो सकेष इन शहरों के तकरीबन ढाई करोड़ से अधिक घरों को सीवर कनेक्शन दिया जाएगा। आम बजट में गांवों की तर्ज पर शहरी जल जीवन मिशन लांच किया जाएगा, जिसके लिए बजट में पर्याप्त आवंटन किया गया है। इसमें केंद्र के साथ राज्य और शहरी निकायों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

आगामी वित्त वर्ष में शहरी क्षेत्रों के जीवन स्तर को सहज बनाने के लिए स्वच्छ पेयजल आपूर्ति के साथ स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके लिए बजट में विशेष बंदोबस्त भी किया गया है। दरअसल, शहरी क्षेत्रों में सीवर प्रणाली की हालत खस्ता है, जिसके चलते स्वच्छता का बुरा हाल है। खुले नालों और बोरिंग कर भूमि के अंदर सीवेज डाल देने से लोगों की सेहत खराब हो रही है। भूजल में अत्यंत घातक रसायनों के घुलने से इलाके का पेयजल भी बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

ग्रामीण जल जीवन मिशन की तरह शहरी क्षेत्रों में भी इसे लागू किया जाएगा। शहरी क्षेत्रों में 2.68 करोड़ घरों में नल से पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है, जिसे इस मिशन के मार्फत पूरा किया जाएगा। जबकि देश के 500 अटल मिशन फॉर रेजुवनेशन एंड अर्बन ट्रांसफारमेशन (अमृत) शहरों में 2.64 घरों में सीवर कनेक्शन दिया जाएगा। शहरी विकास मंत्रालय का अनुमान है कि इन शहरों के इतने घरों में सीवर कनेक्शन नहीं है। जलापूर्ति और सीवर लाइन बिछाने के साथ कनेक्शन देने के इस कार्य के लिए 2.87 लाख करोड़ रुपये का बजट आवंटन किया गया है। इसके साथ अमृत शहरों के लिए आवंटित 10 हजार करोड़ रुपये भी इसमें शामिल किया जाएगा।

शहरी क्षेत्रों में पानी की मांग को पूरा करने के लिए सीवेज ट्रीटमेंट पर जोर होगा, जिससे शहरी क्षेत्रों में 20 फीसद गैर-पेयजल की आपूर्ति की जाएगी। इसका उपयोग उद्योग क्षेत्र के साथ पार्क आदि की सिंचाई में किया जा सकता है। इसके लिए दोहरी पाइप लाइन बिछाने की योजना है ताकि सभी को पीने साफ का पानी मुहैया हो सके। शहरी क्षेत्रों के जलाशयों, तालाबों व पोखरों को नवजीवन के साथ सीवेज ट्रीटमेंट पर जोर होगा। साथ ही शहरी क्षेत्रों में अभियान चलाकर लोगों को जल के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी देने और जागरूक करने की योजना है। इन जलाशयों को बारिश के पानी से भरने पर पूरा होगा, जिससे शहरी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल सके। शहरों में जल संरक्षण और जलापूर्ति के मामले में वैश्विक टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाएगा।

Dainik Jagran 04-February-2021

कोलकाता में 35 वर्षों में पांच हजार से अधिक जलाशय गायब

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

कोलकाता में पिछले 35 वर्षों के दौरान पांच हजार से अधिक जलाशय गायब हुए हैं। करीब 15 साल पहले केंद्रीय विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत 'द नेशनल एटलस एंड थीमैटिक मैपिंग आर्गेनाइजेशन' की ओर से कोलकाता के जलाशयों पर एक रिपोर्ट जारी की गई थी। वह रिपोर्ट उस समय से 20 साल पहले तक की एकत्रित जानकारी पर आधारित थी। उस रिपोर्ट के आधार पर करीब 35 साल पहले कोलकाता में जलाशयों की कुल संख्या 8,731 थी, जबकि कोलकाता नगर निगम की जानकारी के मुताबिक वर्तमान में महानगर में करीब साढ़े तीन हजार जलाशय ही हैं। यानी इन 35 वर्षों में 5231 जलाशय महानगर के मानचित्र से गायब हो चुके हैं। हर साल लगभग 150 जलाशयों को पाटा गया है।

ज्ञात हो, जलाशयों के संरक्षण के लिए नगर निगम की ओर से डेढ़ साल पहले अधिसूचना जारी कर 'वाटरबाडी मैनेजमेंट इंफार्मेशन सिस्टम' शुरू करने की बात कही गई थी। इसके तहत कोलकाता के प्रत्येक जलाशय को यूनिक आइडी नंबर देने और उन पर ड्रोन से नजर रखने की भी बात कही गई थी, लेकिन अब तक उसे अमली जामा नहीं पहनाया गया है।

शिकायत मिलते ही हो रही कार्रवाई: राज्य के पर्यावरण मंत्री सौमेन महापात्र ने कहा कि जलाशयों को पाटे जाने की शिकायत मिलते ही कार्रवाई की जा रही है। इसमें किसी तरह का समझौता नहीं किया जा रहा। दूसरी तरफ पर्यावरणविद् सुभाष दत्त ने कहा, पाटे गए कई जलाशयों को पूर्व स्थिति में लाने के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की ओर से आदेश दिया गया है, लेकिन सरकार की तरफ से अब तक इस बाबत कोई कदम नहीं उठाया गया है।

कोलकाता नगर निगम ने पलड़ा झाड़ा : इस बाबत कोलकाता नगर निगम की प्रशासक मंडल के सदस्य स्वपन समाद्दार से पूछने पर उन्होंने पलड़ा झाड़ते हुए कहा-अतीत में क्या हुआ, यह मैं नहीं बता सकता। कोलकाता में आगे से और जलाशयों को गैरकानूनी तरीके से पाटा ना जा सके, इस बाबत नगर निगम की ओर से उपयुक्त कदम उठाए जा रहे हैं।

Dainik Bhaskar 04-February-2021

जनवरी में 20 दिन सामान्य से कम रहा तापमान, 3 से 8 डिग्री की गिरावट रही

हिमाचल व उत्तराखंड में हिमपात की आशंका, दिल्ली में गिर सकते हैं ओले

मौसम विभाग ने सतर्क रहने की चेतावानी दी

एजेंसी | नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में सर्दी का रौद्र रूप जारी है तो वहीं मौसम विभाग के ताजा अपडेट के मुताबिक आज से लेकर अगले तीन दिन तक राजधानी समेत देश के कई राज्यों में मौसम पलटी मार सकता है। आईएमडी ने दिल्ली बारिश के साथ ओला गिरने की संभावना जताई है तो वहीं यूपी, बिहार, झारखंड, एमपी और छत्तीसगढ़ में भी हल्की बारिश होने की आशंका है, मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की चेतावानी दी है।

वहीं स्काईमेट के मुताबिक दिल्ली में ओलावृष्टि की आशंका है तो वहीं जम्मू कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश में बारिश की आशंका है, तो वहीं अगले 48 घंटों के दौरान जम्मू कश्मीर से लेकर गिलगित बालटिस्तान, मुजफ्फराबाद, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हिमपात के भी आसार है। भारतीय मौसम विभाग ने कहा था कि 4 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के भी कुछ हिस्सों में बारिश के आसार हैं तो वहीं 4-5 फरवरी से पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश के पश्चिमी और मध्य भागों, उत्तरी के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि के आसार है। इस दौरान बिजली कड़कने और तेज हवाएं चलने की भी आशंका है। दिल्ली में 5 फरवरी के बीच हल्की बारिश हो सकती है।

हिमाचल में आधा फीट तक बर्फबारी, 110 सड़कें बंद

लाहौल स्पीति के सिस्सु में बुधवार को बर्फबारी शुरू हो गई। ढाई इंच तक बर्फ गिर चुकी है।

हिमाचल में बुधवार को कुफरी, लाहौल स्पीति, किन्नौर, कुल्लू और चंबा जिलों की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी हुई। रोहतांग दर्रा में आधा फुट, सिस्सू में ढ़ाई इंच, केलांग में आधा इंच बर्फ गिरी है। बर्फबारी के कारण दो नेशनल हाईवे समेत 110 सड़कें आवाजाही के लिए बंद कर दी गई हैं। इसमें लाहौल स्पीति जिला में सबसे ज्यादा 108 सड़कें शामिल हैं। इसके अलावा डोडरा कवार और पांगी में एक-एक मार्ग यातायात के लिए बंद है। अगले 24 घंटे में भी बारिश व हिमपात की संभावना है। 5 फरवरी तक मौसम खराब रहेगा।

लोगों को ठिठुरन का सामना करना पड़ेगा

बुधवार सुबह मौसम विभाग के अनुसार मुरादाबाद में आज न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रहा और अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहने का अंदेशा है तो वहीं पंजाब में अमृतसर, जालंधर, पठानकोट, लुधियाना, पटियाला, बरनाला से लेकर राजस्थान में चुरू, गंगानगर, भरतपुर, अलवर, झुंझुनू, हरियाणा में अंबाला, कुरुक्षेत्र, करनाल, यमुनानगर, पानीपत, सोनीपत, दिल्ली-एनसीआर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, सहारनपुर, अलीगढ़, आगरा, मथुरा, लखनऊ, बहराइच में आज ठंडी हवाएं चलेंगी और लोगों को ठिठुरन का सामना करना पड़ सकता है।

आगे क्या: तापमान घटेगा

मौसम विभाग के चंडीगढ़ सेंटर के निदेशक डॉ. सुरेंद्र पाल का कहना है कि हरियाणा में 4-5 फरवरी को बारिश के बाद रात का तापमान 4 से 6 डिग्री तक कम होगा। 5 से 7 फरवरी तक धुंध छाएगी। फरवरी में दो पश्चिम विक्षोभ और आ सकते हैं। इससे ठंड बनी रहेगी।